निगरानी और फीडबैक: उच्च प्राथमिक भाषा और साक्षरता

हिन्दी
कमेंट्री: इस उच्च प्राथमिक भाषा की कक्षा में शिक्षिका, पूरे पाठ के दौरान निगरानी व फीडबैक की तकनीकों का उपयोग करती हैं। **शिक्षिका:** जच्चा गाती हैं। कोई सुनाएगा? गाके बताएगा? आप सुनाएँगी? सुनाइए, बेटा। **विद्यार्थी १:** लाला-जनम सुने आई; जशोदा मैया, दे दो बधाई। **शिक्षिका:** Very good, very good, शाबाश! क्या बात है! बहुत बढ़िया! Very good! कमेंट्री: शिक्षिका क्षेत्रीय लोकगीतों को - विद्यार्थियों की घर की भाषा से स्कूल की भाषा में अनुवाद करने हेतु - उन्हें समूह में काम करने के लिए कहती हैं। **विद्यार्थी २:** मोहे... **विद्यार्थी ३:** परायी ना करियो... **विद्यार्थी २:** अपने से... **विद्यार्थी ३:** से परायी... **विद्यार्थी:** क्या है बाबा... **विद्यार्थी ४:** वो अपने पति से बोलती है... **विद्यार्थी ५:** उसने कहा, सोने की औरत बना लो। **विद्यार्थी ६:** पत्नी, सोने की पत्नी। **विद्यार्थी ७:** नहीं, इसमें औरत लिखा है ना।

कमेंट्री:

ध्यान दीजिए शिक्षिका, कैसे शांति से अवलोकन कर के अपने विद्यार्थियों के सीखने का निरीक्षण करती हैं। कब हस्तक्षेप करना है - इसका फैसला वह सावधानी से करती हैं। हस्तक्षेप, सिर्फ विद्यार्थियों को सहयोग या चुनौती देने के लिए होना चाहिए।

शिक्षिका: हाँ, आप गाके बताओ, कैसे गाओगे?

विद्यार्थी ८: सगे भैया को जहर ना पिलइयो, पिया वचन मान जाईयो।

शिक्षिका: हाँ, अब जब हम अनुवाद करेंगे, तो कैसे गाएँगे इसको?

विद्यार्थी ८: सगे भाई को जहर मत पिलाओ, पिया वचन मान जाओ।

शिक्षिका: गाके बताओ, गाके बताओ।

विद्यार्थी ८: सगे भैया...

विद्यार्थी व शिक्षिका: सगे भैया को जहर ना पिलाना; पिया वचन मान जाना।

विद्यार्थी ९: Ma'am, वचन का मतलब, मेरी बात मान जाओ।

शिक्षिका: हाँ, हैं न? अब फिर, ऐसे पूरा करो इसको आप। हैं न? इसी तरह से कि, हम गा भी सकें इसको।

कमेंट्री:

इस अगले पाठ में, कक्षा जलसंरक्षण के विषय पर, विचारविमर्श का अभ्यास करने के लिए, समूहों में काम कर रही है।

विद्यार्थी १०: जैसे, देखो, कोई-कोई के घर में motor होती है, तो वो पानी ज्यादा बहाता है। उसको पानी नहीं बहाना चाहिए। ऐसा करना चाहिए, कि घर घर, सब के घर...

शिक्षिका: आप लोग आपस में बातचीत कीजिये, ठीक है? जो आपने बात की है अभी, वो इनको बताएँगे। इन्होंने जो बात की है, वो आपको बताएँगे। हाँ, ठीक है?

विद्यार्थी ११: हमें बाल्टी में भरकर नहाना चाहिए।

विद्यार्थी १२: हमको मुँह धोते समय, एक गिलास में पानी रखना चाहिए, नल नहीं खोले रहना, नल

नहीं खोलना चाहिए।

विद्यार्थी १३: जो पानी गिरता है न, तो वो इतनी जोर से नीचे गिरता है। उसमें हमें, टब या बाल्टी, कुछ भी लगा देना चाहिए।

विद्यार्थी १०: जिस पानी से हम बर्तन धोते हैं ना, वो पानी, हमें पेड़-पौधों में डाल देना चाहिए। व्यर्थ बहाना नहीं चाहिए।

शिक्षिका: हमने पढ़ा था कि, पृथ्वी एक गुल्लक होती है। जैसे, हम लोग पैसा जमा करते हैं न, वैसे, पृथ्वी को, हम गुल्लक की तरह उपयोग कर सकते हैं न? पानी, ज्यादा से ज्यादा, धरती में समा जाए - इसके लिए - हम क्या कर सकते हैं?

विद्यार्थी १२: Ma'am, वो... पानी गिरता है वो पानी...।

शिक्षिका: हाँ...

विद्यार्थी १०: हमें बाल्टी या टब लगा देना चाहिए।

शिक्षिका: पानी, जो बारिश का पानी आता है, उसका कैसे हम संग्रह कर सकते हैं?

कमेंट्री:

निरीक्षण की एक और उपयोगी तकनीक है - बारी बारी से हरेक समूह से - उनकी चर्चा - बाकी कक्षा के साथ साझा करने के लिए कहना। ध्यान दीजिए, किस तरह शिक्षिका हस्तक्षेप किये बिना सुनती हैं, और प्रसंशा करती हैं।

शिक्षिका: आपके चार मिनट complete हो गए हैं। अब, आपने आपस में जो जो कुछ discussion किया है, वो अब आप मुझे बताएँगे।

नयना! आप खड़े हो जायें, बेटा। ये group खड़ा होगा, नयना group! आप बताएँगे?

विद्यार्थी १: जब हम होली खेलते हैं, तो रंग हमें घोलकर नहीं लगाना चाहिए। हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए। जिससे, हमारे जल का दुरूपयोग नहीं होगा, क्योंकि हम घुले रंग से होली खेलेंगे, तो हमारे शरीर पर रंग लगेगा, और नहाने में पानी व्यर्थ होगा। इसलिए हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए, जिससे पानी का संरक्षण होगा।

शिक्षिका: बहुत बढ़िया! शाबाश, बेटा! Very good!

विद्यार्थी १३: Ma'am, वो... नल आते हैं, तब सारे लोग झगडा करने लगते हैं। और पानी का दुरूपयोग होता है, और वो...

शिक्षिका: कैसे पानी का दुरूपयोग होता है, झगडा होता है तो?

विद्यार्थी १३: Ma'am वो, पानी व्यर्थ जाता रहता है।

शिक्षिका: लोग झगड़ते रहते हैं, और पानी बहता रहता है। न वो भर पाता है, न वो भर पाता है।

विद्यार्थी १३: Yes, ma'am.

शिक्षिका: ठीक है! शाबाश!

विद्यार्थी १३: और वो कुछ लोग अपने घर में motor लगा लेतें हैं। जो दूसरे का पानी भी, उनकी motor खींच लेती हैं। और दूसरे को पानी नहीं मिल पता।

शिक्षिका: अब आप लोग बैठ जाइए। शाबाश! Very good!

अभी, हम लोगों ने जलसंरक्षण के बारे में बातचीत की, आपस में सबने? अब...

कमेंट्री:

आखिर में, विद्यार्थियों के सीखने को मज़बूती देने के लिए, शिक्षिका पाठ के मुख्य बिन्दुओं को लिखती हैं।

आप अपने पाठ में, विभिन्न चरणों पर - निगरानी व फीडबैक के मौकों को - कैसे शामिल कर सकते हैं?